

संयुक्त मुख्यालय मुंबई 30510, (सिन्डिया)

[स्थायी रूप से स्वीकृत]

[बोर्ड के आदेश सं० ४११६ वी० ता० १२-८-११ में अनुमोदित]

Police upload
15/04/2018

संयुक्त मुख्य-पृष्ठ और पत्रावरण ।

(वैश्व तिथि १२० अग्रेज १९११)

विभाग

SAROB/15-16

श्री कुमल काववाल
कॉमेडी

श्री लैटिंग एंड
विभागी

CMT Act 1571

क्र.सं.	वर्ष	किस तिथि को प्रारंभ किया गया	पत्रों की संख्या	संख्या वा प्र. य	पत्रों की संख्या	अवधि
१	२	३	४	५	६	७
						16-5-16
						17-7-17
						3-10-16
						24-1-18
						11-9-17
						26-10-16
						28-2-18
						23-11-16
						13-11-17
						4-4-18
						21-12-16
						15-4-20
						16-5-18
						18-4-17
						10/1/20
						15-2-17
						24/3/21
						27-6-17
						16-6-2021
						8-8-18
						8-3-17
						15-09-2021
						5-4-17
						24-11-21
						24-10-17
						5-4-17
						9-1-22
						12-12-17
						3-5-17
						15-3-22
						16-01-19
						5-6-17
						8/3/22
						23-1-17
						5-7-17
						30/9/22
						27-2-17
						16-11-22
						27-2-17
						13-12-22
						29-5-17
						20/1/23
						1-1-17
						29

आदेश-पत्रक

(देखे नियम 129 अभिलेख हस्तक)

आदेश पत्रक-ता०..... से तक
जिला-सिमडेगा, संख्या SAR 06/2015-16 कुंवर काधवार
केस का प्रकार:- बिहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम 1969 यनाम
लेटेग साहु

आदेश की कम सं० और तारीख आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर की गई कार्रवाई

श्री कुंवर काधवार
पिता... रक सागरा काधवार
साकिन... मांवाकरा... थाना... कालाविरा
जिला-सिमडेगा ने आवदन-पत्र दिया है कि निम्नलिखित
जमीन को नाजायज तरीके से विपक्षी... लेटेग साहु
पिता रक साहु

साकिन- 9/9 मांवाकरा थाना 990 कालाविरा
जिला-सिमडेगा ने कब्जा कर लिया है। इस जमीन को बिहार
अनुसूचित क्षेत्र विनियम 1969 के अंतर्गत वापस दिलाने का
अनुरोध करते हैं।

ग्राम मांवाकरा खाता सं०- 61 प्लॉट सं० 705 रकबा 0.54 रकबा

उभय पक्ष को सूचित करें। अभिलेख दिनांक 26-5-2015
को उपस्थापित करें।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,

सिमडेगा।

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमडेगा।

वाद सं०-एस०ए०आर० ०६/२०१५-१६

दिनांक.....13/12/22.....

कुंवर बाघवार

बनाम

लेटेंग साहू

आदेश

प्रस्तुत वाद अनुसूचित क्षेत्र विनियम, 1969 अन्तर्गत भूमि वापसी वाद की कार्यवाही आवेदक कुंवर बाघवार, पिता-स्व० सोमरा बाघवार, साकिन-कोम्बाकेरा, थाना-कोलेबिरा, जिला-सिमडेगा के आवेदन पर प्रारंभ किया गया। आवेदक ने लिखा है कि विपक्षी लेटेंग साहू, पिता-स्व० भांडु साहू, साकिन-कोम्बाकेरा, थाना-कोलेबिरा, जिला-सिमडेगा ने अवैध तरीके से उनकी रैयती भूमि पर कब्जा कर लिया है। जिसे बिहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम, 1969 के तहत वापस दिलवाने का अनुरोध किया है। वाद सं०-०६/२०१५-१६ के अनुसार प्रश्नगत भूमि की विवरणी निम्नवत है:-

<u>मौजा</u>	<u>खाता नं०</u>	<u>प्लॉट नं०</u>	<u>रकबा</u>
कोम्बाकेरा	61	705	0.54 एकड़

वाद की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए अंचल अधिकारी, कोलेबिरा को इस न्यायालय के पत्रांक-199/विधि, दिनांक 27.04.2015, पत्रांक-210/विधि, दिनांक 02.06.2016, पत्रांक-249/विधि, दिनांक 08.07.2016 एवं पत्रांक-354/विधि, दिनांक 20.09.2017 द्वारा उपर्युक्त अंकित भूमि से संबंधित प्रतिवेदन की मांग की गई। अंचल अधिकारी, कोलेबिरा के पत्रांक-567(ii), दिनांक 18.12.2017 द्वारा न्यायालय को प्रतिवेदित किया है कि प्रश्नगत भूमि मौजा-कोम्बाकेरा, खाता नं०-61, प्लॉट नं०-705, रकबा-0.54 एकड़ भूमि पर विपक्षी का मकान सहन एवं खेती के रूप में कब्जा है। विपक्षी का 0.54 एकड़ भूमि पर विगत लगभग 28 वर्षों से कब्जा है। विपक्षी द्वारा 0.20 एकड़ भूमि पर कच्चा मकान का निर्माण किया गया है। जिसकी अनुमानित लागत 225000/- (दो लाख पचीस हजार रुपये) है। मकान विगत लगभग 25 वर्षों से बना है। खतियानी रैयत विशुन खड़िया वल्द बिरसा खड़िया वो टेहनु खड़िया वल्द फुचन खड़िया है। आवेदक खतियानी रैयत का पोता है। पंजी-II रैयत रन्थु खड़िया वगै० पेशरान सोमरा खड़िया है। प्रश्नगत भूमि की चौहद्दी निम्नवत है:-

उ०-रास्ता

द०-टांड, निर्मल डुंगडुंग

पू०-रास्ता

प०-चौरा दिलबर बड़ाईक है।

अभिलेख के अवलोकन से ज्ञात होता है कि उभय पक्षों को न्यायालय में संबंधित वाद की सुनवाई हेतु उपस्थित होने के लिए आदेशित किया जाता रहा है। लेकिन उभय पक्षों के द्वारा अधिवक्ताओं के माध्यम से हाजरी पड़ी और ना ही उभय पक्ष व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में सशरीर उपस्थित हो सके।

कृ०पू०उ०

ऐसा प्रतीत होता है कि उभय पक्षों को बिहार अनुसूचित क्षेत्र विनियम, 1969 के वाद की सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से अभिरूचि नहीं हैं। इनकी मनसा शायद न्यायालय के समय को बर्बाद करने का है। ऐसे स्थिति में वाद सं०-06/2015-16 को संचिकास्त किया जा सकता है। फिर भी यदि आवेदक की इच्छा हो तो संबंधित वाद को न्यायालय में पुनः सुनवाई हेतु आवेदन पत्र समर्पित करते हुए अनुरोध कर सकते हैं।

लेखापित एवं संशोधित।


अनुमण्डल दफ्तराधिकारी
सिमडेगा।


अनुमण्डल दफ्तराधिकारी
सिमडेगा।